

ख़बर संक्षेप

सरछोट्टाराम राजकीय कन्या कॉलेज में निकला सांप

सांपला। कस्बे के सरछोट्टाराम राजकीय कन्या महाविद्यालय के कमरे में सांप निकलने से हड़कंप मच गया। बताया गया कि मंगलवार को एक कमरे में सांप दिखाई

दिया। हालांकि कमरें में छात्र नहीं बैठते। कर्मचारी ने इसकी सूचना प्राचार्य डॉ संतोष हुड्डा को दी। प्राचार्य ने तभी सांप पकड़ने वाले दीपक कुमार को सूचना दी। मौके पर पहुंचे दीपक ने सांप को पकड़ कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया।

पात्र परिवारों को 15 तक बकाया तेल लेने के लिए डिपो पर पहुंचने की सूचना जारी

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

सरसों तेल की धार अब इतनी पतली रह गई है कि 66,301 लीटर में से जिले में सिर्फ 67 लीटर तेल बचा है, लेकिन प्रशासन की ओर से इसे बेचने की तारीख अभी 15 सितंबर तक तय है। यानी जिस स्टॉक को 25 अगस्त को भरपूर बताते हुए पात्र परिवारों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर देने की बात कही गई थी, उसमें मंगलवार 8 सितंबर तक 66,234 लीटर तेल बचा चुका है और अब महज 67 लीटर बचा है। यह बचा



हुआ तेल मोखरा गांव के एक राशन डिपो होल्डर के पास है। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से पात्र परिवारों को 15 सितंबर तक बकाया सरसों तेल लेने के लिए डिपुओं पर पहुंचने की सूचना जारी कर दी गई।

मामले में एक और पेंच है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक कार्यालय को मोखरा के डिपो पर

तेल लगभग खत्म, बिक्री की तारीख बाकी

25 अगस्त को जिले में 66,301 लीटर सरसों तेल उपलब्ध होने की जानकारी दी गई थी। उस समय विभाग ने पात्र लाभार्थियों को पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर तेल देने और 31 अगस्त तक वितरण पूरा करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद तेल डिपुओं से बिकता गया और 8 सितंबर तक स्टॉक घटकर सिर्फ 67 लीटर रह गया। यानी उपलब्ध स्टॉक का 99.89 प्रतिशत से अधिक तेल निकल चुका है। अब प्रशासन ने बकाया तेल के वितरण की अंतिम तारीख 15 सितंबर कर दी है।

मोखरा के डिपो होल्डर के पास स्टॉक

मौजूदा स्टॉक की स्थिति और भी दिलचस्प है। पूरे जिले में बचा 67 लीटर तेल मोखरा गांव के एक डिपो होल्डर के पास बताया जा रहा है। ऐसे में 1,48,402 राशन कार्ड और उनसे जुड़े 5,63,516 यूनिट वाले जिले में 67 लीटर तेल का मतलब समझना मुश्किल नहीं है। एक परिवार को एक या दो लीटर तेल दिया जाना है। ऐसे में अब तेल की उपलब्धता और पात्र परिवारों की संख्या में जमीन-आसमान का अंतर दिखाई दे रहा है।

■ विभाग को अपने ही बचे तेल का पता नहीं

■ तेल लगभग खत्म, फिर भी क्यों लगाया जा रहा है जोर

पहले आओ-पहले पाओ

मगर कैसे होगा वितरण विभाग ने कहा है कि जिन डिपुओं पर तेल उपलब्ध है, वहां आधार प्रमाणीकरण के बाद पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर वितरण होगा। लेकिन जिले में अब तेल उपलब्धता का आलम यह है कि एक डिपो पर 67 लीटर बचा है। ऐसे में पहले आने वाले लाभार्थियों को तेल मिल भी जाए तो बाकी के लिए क्या व्यवस्था होगी, यह साफ नहीं है। प्रशासन की ओर से 15 सितंबर तक वितरण पूरा करने की बात कही जा रही है।

कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने के लिए ऑनलाइन प्रणाली की ओर कदम

अब ई-ऑफिस के माध्यम से उपायुक्त के पास भेजी जाएंगी सामान्य फाइलें

फाइल की समीक्षा और प्रक्रिया भी पूरी तरह से होगी ऑनलाइन

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक



►► किस अधिकारी के पास अटकी, पता चलेगा

ई-ऑफिस की सबसे बड़ी सुविधा यह होगी कि फाइल की स्थिति ऑनलाइन देखी जा सकेगी। फाइल किस अधिकारी के पास है, किस स्तर पर कार्रवाई हो चुकी है और कहाँ लंबित है, इसकी जानकारी उपलब्ध रहेगी। इससे अधिकारियों के स्तर पर लंबित फाइलों की निगरानी आसान होगी। किसी मामले में अनावश्यक देरी होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही भी तय की जा सकेगी।

ऑनलाइन पूरी होगी। हालांकि न्यायालय से जुड़े मामलों समेत आपातकालीन और बेहद जरूरी

फाइलें बायहैंड उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत की जा सकेंगी।नई व्यवस्था का सीधा असर विभागीय

लोगों के काम पर भी पड़ेगा असर

जिला स्तर पर विभागों से जुड़े अनेक काम सीधे आम लोगों से संबंधित होते हैं। जमीन, विकास कार्य, स्थानीय निकाय, सामाजिक सुरक्षा, जन शिकायतों और अन्य प्रशासनिक मामलों में विभागीय स्तर पर कार्रवाई के बाद फाइल उच्च अधिकारियों तक पहुंचती है। सामान्य फाइलों की ऑनलाइन आवाजाही होने से इन मामलों में कागजी प्रक्रिया और आने-जाने का समय कम हो सकता है। हालांकि इसका वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब विभाग समय पर फाइल ऑनलाइन भेजे और अधिकारी भी निर्धारित समय में उस पर कार्रवाई करें।

जरूरी मामलों में बायहैंड फाइल देने की रहेगी छूट

प्रशासन ने व्यवस्था को पूरी तरह ऑनलाइन करने के साथ जरूरी मामलों के लिए बायहैंड फाइल प्रस्तुत करने की छूट रखी है। न्यायालय से संबंधित फाइलों के अलावा आपातकालीन अथवा अत्यंत आवश्यक मामलों में फाइल सीधे उपायुक्त के समक्ष रखी जा सकेगी। इसका उद्देश्य जरूरी मामलों में किसी तरह की देरी को रोकना है। ई-ऑफिस व्यवस्था से कागजी काम कम होने के साथ सरकारी रिकॉर्ड को सुरक्षित रखने में भी मदद मिलेगी। फाइलों की ऑनलाइन निगरानी से कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। अब व्यवस्था की असली परीक्षा यह होगी कि विभागों में ऑनलाइन फाइल भेजने और उसके समय पर निपटारे की प्रक्रिया कितनी प्रभावी ढंग से लागू होती है।

कामकाज के साथ आम लोगों की समस्याओं के निपटारे पर भी पड़ सकता है। विभिन्न विभागों में लोगों की शिकायतों, आवेदनों और दूसरे मामलों से संबंधित फाइलें जब उच्च अधिकारियों तक पहुंचती हैं तो उनके निस्तारण में लगने वाला समय महत्वपूर्ण होता

है। ऑनलाइन व्यवस्था से फाइलों की आवाजाही तेज होने पर ऐसे मामलों में भी निर्णय जल्द होने की उम्मीद है। अभी सामान्य फाइलों को लेकर विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को कई बार उपायुक्त कार्यालय जाना पड़ता है। नई व्यवस्था में विभागाध्यक्ष

अपने कार्यालय से ही फाइल ऑनलाइन भेज सकेंगे। इससे अधिकारियों का आने-जाने में लगने वाला समय बचेगा और वे अपने विभाग से जुड़े दूसरे कामों पर ध्यान दे सकेंगे। उपायुक्त कार्यालय में भी कागजी फाइलों का बोझ कम होगा।

वार्ड 20 की समिति का आरोप, सफाई रोकी तो शहर बना नरक, अब नहीं चलेगी मनमानी

■ ठेका कर्मियों को सफाई से रोक रहे कर्मचारी, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

शहर की बिगड़ती सफाई व्यवस्था को लेकर अब वार्ड 20 की समिति ने कड़ा रुख अपनाया है। समिति ने आरोप लगाया कि कुछ सफाई कर्मचारी ठेके पर कार्यरत कर्मियों को सफाई करने से रोक रहे हैं। इसके चलते शहर की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कूड़े के ढेर बढ़ते जा रहे हैं। वार्ड समिति ने प्रशासन से सफाई कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की मांग की है। वार्ड 20 के पार्षद प्रवीण कौशिक के कार्यालय में हुई समिति की बैठक में वार्ड की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा हुई। पार्षद ने कहा कि शहरवासी लंबे समय से सफाई कर्मचारियों के



रोहतक। शहर की दम तोड़ती सफाई व्यवस्था पर रोष जताते समिति के पदाधिकारी।

आंदोलन का समर्थन करते रहे हैं, क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि कर्मचारियों की जायज मांगों का समाधान होगा। लेकिन अब यदि सफाई व्यवस्था को दोबारा बाधित किया जाता है तो इसका सीधा नुकसान आम जनता को उठाना पड़ेगा। कौशिक ने कहा कि नगर निगम ने घर-घर से कूड़ा उठाने के लिए पांच वर्ष का करीब 85 करोड़ रुपये का टेंडर किया है। वहीं सड़कों की सफाई के लिए करीब 42 करोड़ रुपये का पांच वर्षीय टेंडर है। ऐसे में सफाई व्यवस्था को ठप होने देना किसी भी स्तर में उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि किसी कर्मचारी या संगठन

को कोई शिकायत है तो उसका समाधान प्रशासन के स्तर पर बातचीत से होना चाहिए। शहर को गंदगी के हवाले करना जनहित के खिलाफ है। बावर्चासियों ने भी कहा कि जगह-जगह जमा कूड़े से दुर्गंध के साथ मच्छरों और संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। समिति ने प्रशासन से मांग की कि ठेका एजेंसी के कर्मचारियों को पर्याप्त सुरक्षा दी जाए और उन्हें निर्बाध रूप से सफाई कार्य करने दिया जाए। बैठक में सतीश खराब, सतीश रोहिल्ला, श्याम शर्मा, हरिश्चंद्र पांचाल, भगवान हलवाई और जयपाल ओहल्याण सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व विधायक कुंडू ने सफाई कर्मचारियों को दी 1.11 लाख की मदद

महम। नगरपालिका सफाईकर्मियों और फायर कर्मचारियों को हड़ताल मंगलवार को 34वें दिन भी जारी रही। मंगलवार को पूर्व विधायक बलराज कुंडू भी धरने पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मचारियों को समर्थन दिया। उन्होंने धरनारत सफाई कर्मचारियों की 1 लाख 11 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। कुंडू ने कहा कि सफाई कर्मचारियों को लड़ाई में वह उनके साथ खड़े हैं। सरकार को कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द समाधान निकालना चाहिए, ताकि शहर की सफाई व्यवस्था पटरी पर लौट सके। वहीं डॉ. महिपाल गिल ने भी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को अपना पूर्ण समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को जहां भी उनकी जरूरत होगी, वह उनके साथ खड़े मिलेंगे। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सरकार और सफाई कर्मचारियों के बीच टकराव की स्थिति बनी हुई है। सरकार को ओर से नई अर्ती के संकेत दिए जा रहे हैं, जबकि कर्मचारी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

म्हारी सड़क ऐप पर दर्ज कराएं रोड की समस्या

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला वासियों से आह्वान किया है कि वे अपने आसपास सड़कों से संबंधित समस्याओं की शिकायत म्हारी सड़क ऐप के माध्यम से दर्ज करवाएं, ताकि संबंधित विभाग द्वारा उनका समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित किया जा सके। डीसी ने बताया कि ऐप के माध्यम से सड़क पर दिखाई देने वाली समस्या की फोटो लेकर ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है। इनमें सड़क में गड्ढे, क्षतिग्रस्त सड़क, खराब स्ट्रीट लाइट, टूटी रेलिंग या सुरक्षा संबंधी बाधा, जलभराव, निकासी की समस्या और सड़क पर किसी प्रकार का अवरोध शामिल हैं। सरकार ने सड़क संबंधी शिकायतों के शीघ्र समाधान के साथ पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह ऐप शुरू की है।

अब काउंटर नहीं, डिजिटल मशीन से जोड़ने की तैयारी

हर माह बनते हैं 3,500 पास, रेल वन ऐप प्रक्रिया होगी शुरू

दैनिक यात्रियों को खुद मशीन से निकालना होगा पास

हरिभूमि न्यूज़ ►► रोहतक

रेलवे में सफर करने वाले दैनिक यात्रियों के लिए अब मंथली सीजन टिकट यानी मंथली पास बनवाने की प्रक्रिया बदलने जा रही है। अब यात्रियों को मंथली पास बनवाने के लिए रेलवे स्टेशन के टिकट काउंटर पर जाने की जरूरत नहीं होगी। रेलवे की ओर से मंथली पास बनाने की सुविधा को डिजिटल करते हुए इसे रेल वन ऐप और स्टेशन पर



रोहतक। रेलवे के काउंटर पर जानकारी करते यात्री।

लगी टिकट मशीनों से जोड़ने की तैयारी की गई है। रोहतक रेलवे स्टेशन पर हर महीने करीब 3,500 मंथली पास बनाए जाते हैं। बड़ी संख्या में दैनिक यात्री

नौकरी, कारोबार और पढ़ाई के सिलसिले में आसपास के शहरों व कस्बों से रोहतक आते-जाते हैं। ऐसे यात्रियों के लिए मंथली पास काफी सुविधाजनक होता

►► बुजुर्गों को होगी परेशानी

खासकर बुजुर्ग और ऐसे यात्री जो मोबाइल ऐप या मशीन से टिकट निकालने में सहज नहीं हैं, उन्हें शुरुआत में परेशानी हो सकती है। यात्रियों का कहना है कि नई व्यवस्था लागू करने से पहले रेलवे को स्टेशन पर पर्याप्त जानकारी और सहायता की व्यवस्था करनी चाहिए। रेलवे स्टेशन पर रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों के लिए मंथली पास रोजमर्रा की यात्रा का अहम साधन है। ऐसे में नई डिजिटल व्यवस्था कितनी आसानी से लागू होती है, यह आने वाले दिनों में देखने वाली बात होगी।

है। अब इन्हें पास बनवाने के लिए काउंटर पर लाइन में लगने के बजाय निर्धारित प्रक्रिया के तहत मशीन से पास बनाना होगा। नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को पहले रेल वन ऐप के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसके बाद स्टेशन के बाहर उपलब्ध टिकट वेंडिंग

मशीन को माध्यम से मंथली पास जारी किया जाएगा। इससे टिकट काउंटर पर भीड़ कम होने और रेलवे कर्मचारियों पर काम का दबाव घटने की उम्मीद है। हालांकि, नई व्यवस्था को लेकर दैनिक यात्रियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती डिजिटल प्रक्रिया को समझने की होगी।



रोहतक। पुस्तक का विमोचन करते प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान।

नेकीराम कॉलेज प्राचार्य प्रो. सुरेंद्र सांगवान की पुस्तक ‘वर्ड और विस्डम’ का विमोचन

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय, रोहतक में प्राचार्य एवं प्रख्यात शिक्षाविद प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान द्वारा लिखित पुस्तक ‘वर्ड और विस्डम’ शब्द और ज्ञान: अंग्रेजी में भारतीय साहित्य का एक परिचय’ का औपचारिक विमोचन किया गया। यह महत्वपूर्ण अकादमिक उपचार्य बी.ए. पंचम सेमेस्टर के मेजर विषय ‘इंडियन लिटरेचर इन इंग्लिश’ के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के अनुसार बेहद उपयोगी सिद्ध होगी। प्रो. सांगवान के पास 32 वर्षों से अधिक का लंबा शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभव है। अंग्रेजी साहित्य, पत्रकारिता, प्रबंधन और कंप्यूटर एप्लीकेशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उच्च डिग्रियां प्राप्त करने वाले प्रो. सांगवान अब तक अंग्रेजी भाषा, साहित्य, संचार और मीडिया जैसे विषयों पर दस पुस्तकों का लेखन कर चुके हैं। उनके मार्गदर्शन में 12 शोधार्थी अपनी पीएच.डी. पूरी कर चुके हैं तथा उनके कई शोध-पत्र राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए हैं।



महम। आर्य स्कूल मदीना में यज्ञ में आहुति देते विद्यार्थी व शिक्षक।

आर्य स्कूल मदीना में मासिक हवन

महम। मंगलवार को आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मासिक हवन का आयोजन किया गया। यह यज्ञ आचार्य करतार शास्त्री के सानिध्य में वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। यज्ञ में सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन ने हवन में आहुतियां डालते हुए विश्व शांति, समाज कल्याण, विद्या प्राप्ति की मंगल कामना की। विद्यालय के प्रधानाचार्य अशोक दांगी ने हवन के वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। कहा कि यज्ञ से न केवल पर्यावरण की शुद्धि होती है, बल्कि यह हमारे मन और विचारों को भी पवित्र करता है। उन्होंने आचार्य करतार शास्त्री का विशेष आभार व्यक्त किया और बच्चों को वैदिक संस्कृति के आदर्शों को जीवन में उतारने, सदाचार का पालन करने व अपने दैनिक जीवन में संस्कारों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री कृष्ण बेदी पर बरसे नरेश शास्त्री



रोहतक। नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश शास्त्री ने हरियाणा सरकार के मंत्री कृष्ण बेदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर सरकार के पास गए थे, लेकिन मंत्री कर्मचारियों से ही हड़ताल खत्म करने की अपील करते हुए झोली फैलाने का राजनीतिक स्टंट कर रहे हैं। जब दाता से मांगने गए और दाता ही भिखारी से मांगने लगे तो इससे बड़ी डिंडबना क्या होगी। नगर निगम यूनियन कार्यालय में कर्मचारियों की बैठक के दौरान शास्त्री ने कहा कि जब उन्होंने मंत्री कृष्ण बेदी से कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की तो मंत्री ने कथित तौर पर कहा कि नियमित तो नहीं कर सकते, लेकिन हड़ताल खत्म कर दो, मैं झोली फैला रहा हूँ। शास्त्री ने कहा कि सरकार को राजनीतिक झुमा बंद कर कर्मचारियों की 13 मई को मानी गई 17 मांगों को तुरंत लागू करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पक्की मर्ती नहीं होने के कारण प्रदेश के 87 शहरों में 10 हजार से अधिक सफाई व सौचार कर्मचारी ठेके पर काम कर रहे हैं और ठेकेदारों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है।

खबर संक्षेप



दुर्लभ वैदिक ग्रंथों के पुस्तकालय की शुरुआत

सांपला। सिद्ध पीठ श्री शिव शक्ति बाबा कालीदास धाम सांपला में वैदिक सनातन धर्म, संस्कृति एवं ज्ञान पर आधारित दुर्लभ साहित्य को आमजन तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। धाम परिसर में दुर्लभ वैदिक ग्रंथों के पुस्तकालय की शुरुआत की गई, जहां श्रद्धालु एवं धर्म, संस्कृति तथा दर्शन में रूचि रखने वाले लोग प्राचीन धार्मिक ग्रंथों का हिंदी में अध्ययन कर सकेंगे। इस अवसर पर महामंडलेश्वर बाबा कालीदास एवं सनातन बौद्ध संस्थान ने वैदिक सनातन धर्म, संस्कृति एवं ज्ञान पर आधारित पुस्तकों का विमोचन एवं लोकार्पण किया।

मदवि में 15 को सजेगा टैलेंट सर्च का मंच

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से 15 सितंबर को विश्वविद्यालय परिसर में टैलेंट सर्च प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। टैगोर ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें अपनी कला एवं रचनात्मकता प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है। डीन स्टूडेंट्स वेल्फेयर प्रो. सपना गर्ग ने बताया कि इस वर्ष टैलेंट सर्च की थीम डिफरेंट टैलेंट्स, वन कैसस, वन फैमिली रखी गई है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनकी रचनात्मक एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर अवसर उपलब्ध करा रहा है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



एमडीयू में शहीद भगत सिंह छात्र संगठन ने हर्ष को विश्वविद्यालय अध्यक्ष किया नियुक्त

रोहतक। शहीद भगत सिंह छात्र संगठन की ओर से हर्ष को एमडीयू विश्वविद्यालय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर संगठन के हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप मोटा ने बताया कि हर्ष को संगठन का प्रतिनिधि चुनते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने हर्ष को नियुक्ति पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और विश्वास जताया कि वे छात्रों के हितों के लिए पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हर्ष को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपाध्यक्ष हिमंशु देनावाल के निर्देशन में कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवीन चौधरी, सर्वाशु, विनय, विशाल सांगवान, प्रीत कदियान, कुकड़ दूमलधन, सुनील, अंकित, सचिन, आदित्य, रमन, निशांत सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं सैकड़ों साथी मौजूद रहे। संगठन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष के उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि संगठन भविष्य में भी विद्यार्थियों की आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा।

बार एसो. चुनाव में नामांकन पत्र रद्द होने पर वकीलों ने बार काउंसिल को भेजी शिकायत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

11 सितंबर को बार एसोसिएशन महम का चुनाव प्रस्तावित था। सोमवार को नामांकन पत्र वापसी के दिन सभी पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चुनाव घोषित कर दिया गया। महम बार एसोसिएशन के कई वकीलों ने निर्दोश अधिकारी रोहतक राठी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। चुनाव परिणाम के विरोध में उठते वकीलों ने कहा है कि प्रधान पद के उम्मीदवार सत्येंद्र यादव और सचिव पद के प्रत्याशी अतुल सिवाच के नामांकन पत्र जान बूझकर व एक साजिश के तहत रद्द किए गए हैं। सत्येंद्र यादव और अतुल सिवाच ने कहा कि उनको नामांकन पत्रों की स्कूटनी के वक्त उनको बुलाया जाना चाहिए था।



लेकिन आरओ ने उनको वहां पर नहीं बुलाया और उनकी गैर हाजिरी में ही उनके फार्म कैंसिल कर दिए गए। गलत तरीके से दूसरे लोगों को विजेता घोषित कर दिया। मंगलवार उन्हें बार काउंसिल ऑफ पंजाब एंड हरियाणा में शिकायत भेजी है। सत्येंद्र यादव व अतुल सिवाच ने कहा कि यदि बार काउंसिल में

उनको न्याय नहीं मिला तो वे वे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। इस मौके पर एडवोकेट राज सिंह अहलावत, रविकांत वत्स, राजपाल अहलावत, सत्येंद्र यादव, ममता कटारिया, धर्मबीर बेडवा, दल सिंह सिवाच, विकास सिवाच, अतुल सिवाच, मोनू मल्होत्रा, प्रीतम जंगम, अमित सेनी, सुरेंद्र प्रेवाल, सुनील घोषलिया, सोमबीर पंचाल, राहुल प्रेवाल, वरुण सेनी, विक्रम और कृष्ण घणघस मौजूद थे।

खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन से मैदान में भरा रोमांच

अंडर-16 क्रिकेट में युवाओं का जलवा रोहतक की 142 रन से बड़ी जीत

▶ फरीदाबाद ने गुरुग्राम को 4 विकेट से हराया
▶ नूंह ने महेंद्रगढ़ को 74 रनों से दी शिकस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-16 जिला क्रिकेट प्रतियोगिता 2026-27 के तहत मंगलवार को खेले गए मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से मैदान पर जोरदार रोमांच पैदा कर दिया। विभिन्न मैदानों पर खेले गए इन मुकाबलों में रोहतक, नूंह और फरीदाबाद की टीमों ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए अपनी-अपनी जीत पक्की की। चौ. बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम के ग्राउंड सी पर रोहतक और एचसीए सी के बीच मुकाबला खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए रोहतक की टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 314 रनों का एक विशाल स्कोर खड़ा किया। रोहतक की तरफ से चैतन्य देहिया ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 67 गेंदों पर 72 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं योगेश धनखड़ ने 61 गेंदों पर 70 रन और आयुष कुमार ने 38 रनों का योगदान दिया। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी एचसीए सी की पूरी टीम 44.1 ओवरों में 172 रनों पर सिमट गई। रोहतक के गेंदबाज रुदार देहिया ने कातिलाना गेंदबाजी करते हुए मात्र 32 रन देकर 5 महत्वपूर्ण विकेट झटके, जिससे रोहतक ने यह मुकाबला 142 रनों के बड़े अंतर से अपने नाम कर लिया।

रोमांचक हुए मुकाबले

इसी टूर्नामेंट के एक अन्य रोमांचक मुकाबले में फरीदाबाद ने गुरुग्राम को 4 विकेट से मात दी। चौ. बंसी लाल क्रिकेट स्टेडियम के ग्राउंड बी पर खेले गए इस मैच में गुरुग्राम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट पर 218 रन बनाए। जवाब में फरीदाबाद की टीम ने 49.3 ओवरों में 6 विकेट खोकर 223 रन बनाते हुए लक्ष्य हासिल कर लिया। फरीदाबाद की ओर से अमय सिंह ने संयम मेरी पारी खेलते हुए 68 रन और विराट त्यागी ने 55 रनों का योगदान दिया।

इकराम ने की घातक गेंदबाजी

वहीं, हनुमंत क्रिकेट अकादमी, रोहतक में खेले गए एक अन्य मुकाबले में नूंह ने महेंद्रगढ़ को 74 रनों से शिकस्त दी। नूंह ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 8 विकेट पर 172 रन बनाए। इसके जवाब में महेंद्रगढ़ की पूरी टीम 19.5 ओवरों में मात्र 98 रनों पर ही ढेर हो गई। नूंह के गेंदबाज इकराम अकबर ने घातक गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 13 रन देकर 5 विकेट चटकाए और अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

एशियन गेम्स में दम दिखाएगी रिटाल की बेटी, 17 वर्षीय दीपांशी फोगाट रचेंगी इतिहास

50 किगा भार वर्ग में जापान में लेंगी हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिले के छोटे से गांव रिटाल की रहने वाली 17 वर्षीय प्रतिभावन



सितंबर माह में जापान में होने वाले एशियाई खेलों (एशियन गेम्स) में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 50 किलोग्राम भार वर्ग में देश का नाम रोशन करने जा रही दीपांशी के पास इस प्रतिष्ठित मंच पर इतिहास रचने का सुनहरा मौका है। यदि वह इन खेलों में पदक हासिल करने में सफल रहती हैं, तो वह एशियन गेम्स के इस भार वर्ग में कुश्ती के इतिहास में पदक जीतने वाली दुनिया की सबसे कम उम्र की पहलवान बन जाएंगी।

खेल परिवार से ताल्लुक

दीपांशी का संबंध एक साधारण खेल प्रेमी परिवार से है। उनकी माता मीनू कबड्डी और पिता सुरेंद्र फोगाट कुश्ती के खिलाड़ी रह चुके हैं। माता-पिता के खेल प्रेम और प्रेरणा से ही दीपांशी ने बहुत कम उम्र में कुश्ती के मैदान में उतरने का कड़ा निर्णय लिया था। उन्होंने वर्ष 2017 में 8 साल की उम्र में कुश्ती के दौंव पैंच सीखना शुरू कर दिया था।

2025 में लगी थी चोट

दीपांशी बताती हैं कि वह एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके माता-पिता ने उन्हें कभी किसी तरह की कमी महसूस नहीं होने दी। उन्होंने अपनी इस सफलता का बड़ा श्रेय अपने कोच मन्दीप सिंह को दिया है, जिन्हें मार्गदर्शन में वह इस मुकाम तक पहुंची हैं। साल 2024 की एशियाई चैंपियनशिप के अंडर-17 वर्ग में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन वर्ष 2025 में कम्मर में गंभीर चोट लग जाने के कारण उनका खेल प्रभावित हुआ।

प्रेरणा और परिवार का सहयोग

दीपांशी फोगाट 50 किलोग्राम भार वर्ग में एशियाई खेलों में पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बनें की दावेदार हैं। इस वर्ग में 2018 में विनेश फोगाट ने पदक जीता था। विनेश से प्रेरित दीपांशी अब रोहतक में भाई-बहन संग तैयारी कर रही हैं। भाई प्रिंस और बहन विनोदी भी कुश्ती में राष्ट्रीय व एशियाई स्तर पर पदक जीत चुके हैं।

दीपांशी की उपलब्धियां

साल 2019 में कुरुक्षेत्र में आयोजित अंडर-14 राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। इसके बाद 2020 में रांची में अंडर-15 श्रेणी के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल किया। दीपांशी ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिया का परिचय देते हुए 2022 और 2023 की एशियाई चैंपियनशिप (अंडर-15) में लगातार दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अलावा, वह एशियन चैंपियनशिप में लगातार तीन बार स्वर्ण पदक जीतने का गौरव भी हासिल कर चुकी हैं।

राज्य स्कूल जूडो बालिका प्रतियोगिता में देव्यांशी, कनिका व रिया ने जीते पदक



रोहतक। केथल में आयोजित 59वीं हरियाणा राज्य स्कूल जूडो बालिका प्रतियोगिता में रोहतक की अंडर-14 और अंडर-17 टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता का खिताब हासिल किया है। कोच डॉ. शक्ति सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता सत्र 2026-27 के तहत 5 सितंबर से 7 सितंबर तक आयोजित की गई, जिसमें टीम की आधिकारिक जिम्मेदारी अनुराधा, बबिता, अंजू और कविता ने संभाली। प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग में देव्यांशी वशिष्ठ ने 44 किलोग्राम और कनिका ने 44 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि सोमिका ने 36 किलोग्राम में कांस्य पदक प्राप्त किया। इसी प्रकार अंडर-17 वर्ग में रूची ने 70 किलोग्राम और झंकार ने 70 किलोग्राम से अधिक भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया, अंशिका ने 48 किलोग्राम व विद्या ने 52 किलोग्राम में कांस्य पदक, और रिया ने 57 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक अपने नाम किया। इसके अलावा अंडर-19 वर्ग में प्रिया ने 70 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता।

एमएस सरस्वती स्कूल में हुआ ब्लॉक स्तरीय विधिक साक्षरता कार्यक्रम

रोहतक। माता दरवाजा स्थित एम.एस. सरस्वती सैनियर सेकेंडरी स्कूल में ब्लॉक स्तरीय विधिक साक्षरता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। ब्लॉक एजुकेशन



कोऑर्डिनेटर डॉ. कविता नरवाल, नोडल अधिकारी अंजना बन्दा और डीपीई सत्यवीर सिंह ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डीपीसी सुमन हुड़ा ने विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी होना बेहद आवश्यक बताया। विद्यालय की प्रधानाचार्या रितु ने मुख्य अतिथि को गणेश प्रतिमा भेंट कर अभिनंदन किया। इस आयोजन ने विद्यार्थियों में कानूनी जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

ऑफिस और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से हुए इस कार्यक्रम का मुख्य विषय "अपने अधिकार जानें - सभी के लिए न्याय तक पहुंचें" रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर अशोक नांदल और डीईईओ रिजवेद हुड़ा ने सरस्वती देवरा के साथ किया। इस दौरान विवेक लेखन, भाषण, विचार, डिबेट, स्किट, पेंटिंग और डॉक्ट्रमेट्री जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तैयारी महोत्सव को लेकर लघु सचिवालय में बैठक, मिट्टी की प्रतिमाओं के प्रयोग पर जोर

नहरों में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित, प्रशासन ने निर्धारित स्थल किए तय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक



रोहतक। गणेश महोत्सव को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक लेते उपस्थित सतबीर सिंह।

आयोजन समितियों के प्रतिनिधियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ध्यान रहे कि इस बार 25 सितंबर को गणेश विसर्जन का मुख्य कार्यक्रम होना है। उपायुक्त ने कहा कि गणेश उत्सव आस्था और श्रद्धा से जुड़ा पर्व है, इसलिए इसे उत्साह के साथ मनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने आयोजन समितियों से मिट्टी की प्रतिमाओं का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वायु

मनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने आयोजन समितियों से मिट्टी की प्रतिमाओं का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वायु

डोरी से आयोजकों से प्रधानमंत्री के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के संदेश के अनुरूप मिट्टी की प्रतिमाओं के प्रयोग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। सतबीर सिंह ने कहा कि महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण प्रतिमाओं के आगमन और विसर्जन शोभायात्राओं के दौरान सुरक्षा के पण्डित उद्गम करने तथा यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के निर्देश दिए। बैठक में एसडीएम आशीष कुमार, सांपला की एसडीएम अंकिता पुवार, आरटीए सचिव वीरेंद्र सिंह दुल, नगराधीन शुभम, नगर निगम की संयुक्त आयुक्त नमिता सिंह, डीएसपी गुलाब सिंह सहित विभिन्न आयोजन समितियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अगर जल प्रदूषण रोकना सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। सरकार और राष्ट्रीय हरित अधिकरण की ओर से प्रदूषण के मामलों की गंभीरता से निगरानी की जा रही है। उन्होंने पंडालों में स्वच्छता बनाए रखने और आसपास गंदगी नहीं फैलाने देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक पंडाल में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

फिजिकल एक्टिविटी की महत्वता पर बने पोस्टर का कुलपति ने किया अनावरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और बदलती जीवनशैली में फिजियोथेरेपी की भूमिका पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। यह न केवल बीमारी के इलाज में बल्कि बीमारी से बचाव और शरीर को चुस्त-दुरुस्त रखने में भी वरदान साबित हो रही है। डॉ. एचके अग्रवाल मंगलवार को चैधरी रणबीर सिंह ओपीडी परिसर में कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी द्वारा आयोजित विश्व फिजियोथेरेपी दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। डॉ. अग्रवाल ने सभी को विश्व फिजियोथेरेपी दिवस की



बधाई देते हुए कहा कि फिजियोथेरेपी केवल कमर दर्द या घुटने के दर्द तक सीमित नहीं है। आज यह न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, स्पोर्ट्स इंजरी, बाल रोग और

बुजुर्गों की देखभाल तक हर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता साबित कर रही है। दवाइयों के बिना, केवल व्यायाम और तकनीक के माध्यम से मरीज को ठीक करना ही

फिजियोथेरेपी की सबसे बड़ी ताकत है। डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल डिग्री लेने तक सीमित न रहें, बल्कि शोध और नए-नए उपचार पद्धतियों को अपनाएं। उन्होंने कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी की ओर से ओपीडी में लगाई गई पोस्टर प्रदर्शनी की सराहना की और कहा कि पोस्टर के माध्यम से दिया गया संदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंचता है। कुलसचिव एवं कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी के प्राचार्य डॉ. रूप सिंह ने कहा कि फिजियोथेरेपी आज एक तेजी से उभरता हुआ करियर है। उन्होंने कहा कि पीजीआईएमएस रोहतक में फिजियोथेरेपी विभाग को लगातार आधुनिक उपकरणों और नई तकनीकों से सशक्त किया जा रहा है।

फिजियोथेरेपी कॉलेज को सेंटर ऑफ एक्सीलेस बनाएंगे कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी को उत्तर भारत का एक सेंटर ऑफ एक्सीलेस बनाया जाए। यहां के विद्यार्थी न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर हमने यह संकल्प लिया है कि हम गांव-गांव तक जाकर लोगों को फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज के प्रति जागरूक करेंगे, ताकि लोग बीमार होने से पहले ही अपनी सेहत का ध्यान रख सकें। डॉ. रूपसिंह ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में सर्वाइकल पेन, बैक पेन, स्ट्रोक में फिजियोथेरेपी की भूमिका, बच्चों में होने वाली शारीरिक विकृतियों और स्पोर्ट्स इंजरी में फिजियोथेरेपी के महत्व को बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया।

जल्दी रिकवरी के लिए अनिवार्य निदेशक डॉ. एसके. सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि आज पीजीआईएमएस के हर विभाग में फिजियोथेरेपी की आवश्यकता महसूस की जा रही है। चाहे वह ऑर्थोपेडिक हो, न्यूरो सर्जरी हो, कार्डियक सर्जरी हो या मेडिसिन वाई हो, हर जगह मरीज की जल्दी रिकवरी के लिए फिजियोथेरेपी अनिवार्य हो गई है। डॉ. एसके. सिंघल ने कहा कि विश्व फिजियोथेरेपी दिवस हर साल 8 सितंबर को मनाया जाता है, लेकिन इसका संदेश पूरे साल अपनाने की जरूरत है। इस वर्ष की थीम हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी और शारीरिक गतिविधि की भूमिका बेहद प्रासंगिक है।

प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान डॉ. डिपल ने बताया कि इस कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसके विजेताओं को कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर फिजिकल एक्टिविटी की महत्वता पर एक पोस्टर का अधिकारियों ने अनावरण किया। डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मन्नु राठी, डॉ. आर एस. चौहान, डॉ. मंजूनाथ, डॉ. उमेश यादव, डॉ. भावना, डॉ. डिपल, डॉ. गीतांजलि, डॉ. सुमन, डॉ. पूनम, डॉ. मेधा सहित कॉलेज के सभी फैकल्टी सदस्य, स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

अवैध शराब से मरी कार के साथ व्यक्ति गिरफ्तार रोहतक। पुलिस ने गांव कंसाला में कारवाई करते हुए अवैध शराब से भरी मारुति वैगनआर बरामद की है। कार से ओल्ड हैबिट व्हिस्की की 50 पेटियां मिलीं, जिनमें कुल 2400 पब्जे यानी 600 बोतल शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी सुनील के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बाद में आबकारी निरीक्षक को मौजूदगी में कार की जांच की गई, जिसमें शराब की 50 पेटियां बरामद हुईं। पुलिस ने शराब के नमूने लेकर उसे सील कर दिया और कार को भी कब्जे में लिया है।

शराब ठेके के पास दो युवकों से मारपीट, दांत टूटे रोहतक। दिल्ली बाईपास स्थित महेंद्रा शोरूम के पास शराब ठेके के नजदीक दो युवकों से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि मनदीप और अभिषेक बामल ने चिराग हुड्डा और उसके साथी आशुतोष के साथ मारपीट की। हमले में चिराग के आगे के दोनों दांत टूट गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। चिराग ने पुलिस को बताया कि 6/7 सितंबर की रात वह आशुतोष के साथ फॉर्च्यूनर से गांव डीसा के रोहतक आया था। ठेके के पास आरोपियों ने उसे गाड़ी से नीचे बुलाकर गाली-गलौची की और लात-धूसों से पीटा।



रोहतक। कार्यक्रम का दीप जलाकर शुभारंभ के दौरान दादा लख्मी वंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स के कुलपति डॉ. अमित आर्य और मंदवि के कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया। फोटो: हरिभूमि

ग्रीन इकोनॉमी की दिशा में शोध की अहम भूमिका : प्रो. पूनिया

■ एमडीयू के अर्थशास्त्र विभाग में 10 दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के अर्थशास्त्र विभाग की ओर से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रायोजन में 10 दिवसीय शोध पद्धति पाठ्यक्रम शुरू किया गया। 'भारत का ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन और सतत विकास: अवधारणाएं, उपकरण एवं नीतिगत अनुप्रयोग' विषय पर आयोजित पाठ्यक्रम का शुभारंभ चौ. रणबीर सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्फ्रेंस हॉल में हुआ। कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, आर्थिक विकास और सामाजिक समावेशन के बीच

संतुलन जरूरी है। ग्रीन इकोनॉमी केवल पर्यावरण संरक्षण नहीं, बल्कि सतत विकास, रोजगार और संसाधनों के बेहतर उपयोग से जुड़ी है। ऐसे शोध पाठ्यक्रम समकालीन चुनौतियों के समाधान के लिए वैज्ञानिक एवं नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करते हैं। मुख्य अतिथि डॉ. अमित आर्य ने शोधार्थियों से प्रकृति और समाज से जुड़कर उपयोगी शोध करने का आह्वान किया। एमएनआईटी जयपुर के प्रो. राजेश कुमार ने ग्रीन इकोनॉमी, सतत विकास और शोध पद्धति पर विचार रखे। उन्होंने शोध में एआई के जिम्मेदार एवं प्रभावी उपयोग पर भी जोर दिया। इस अवसर पर प्रो. रणदीप राणा, प्रो. संदीप बंसल, डॉ. जगदीप दहिया और प्रो. रामफूल ओहल्यान सहित अन्य मौजूद रहे।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

दवाइयों के बिना, केवल व्यायाम और तकनीक के माध्यम से मरीज को ठीक करना ही फिजियोथेरेपी की सबसे बड़ी ताकत



बुजुर्गों की देखभाल तक हर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता साबित कर रही है। दवाइयों के बिना, केवल व्यायाम और तकनीक के माध्यम से मरीज को ठीक करना ही

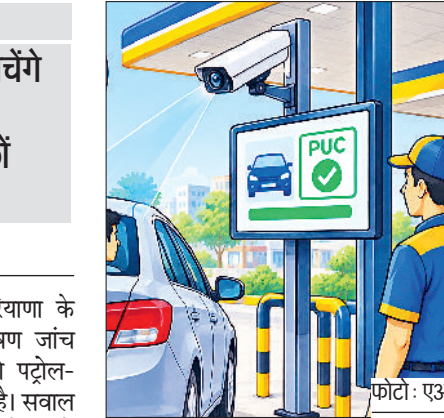
फिजियोथेरेपी की सबसे बड़ी ताकत है। डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल डिग्री लेने तक सीमित न रहें, बल्कि शोध और नए-नए उपचार पद्धतियों को अपनाएं। उन्होंने कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी की ओर से ओपीडी में लगाई गई पोस्टर प्रदर्शनी की सराहना की और कहा कि पोस्टर के माध्यम से दिया गया संदेश आम लोगों तक आसानी से पहुंचता है। कुलसचिव एवं कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी के प्राचार्य डॉ. रूप सिंह ने कहा कि फिजियोथेरेपी आज एक तेजी से उभरता हुआ करियर है। उन्होंने कहा कि पीजीआईएमएस रोहतक में फिजियोथेरेपी विभाग को लगातार आधुनिक उपकरणों और नई तकनीकों से सशक्त किया जा रहा है।

फिजियोथेरेपी कॉलेज को सेंटर ऑफ एक्सीलेस बनाएंगे कुलसचिव डॉ. रूप सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी को उत्तर भारत का एक सेंटर ऑफ एक्सीलेस बनाया जाए। यहां के विद्यार्थी न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर हमने यह संकल्प लिया है कि हम गांव-गांव तक जाकर लोगों को फिजिकल एक्टिविटी और एक्सरसाइज के प्रति जागरूक करेंगे, ताकि लोग बीमार होने से पहले ही अपनी सेहत का ध्यान रख सकें। डॉ. रूपसिंह ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए पोस्टरों में सर्वाइकल पेन, बैक पेन, स्ट्रोक में फिजियोथेरेपी की भूमिका, बच्चों में होने वाली शारीरिक विकृतियों और स्पोर्ट्स इंजरी में फिजियोथेरेपी के महत्व को बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया।

जल्दी रिकवरी के लिए अनिवार्य निदेशक डॉ. एसके. सिंघल ने अपने संबोधन में कहा कि आज पीजीआईएमएस के हर विभाग में फिजियोथेरेपी की आवश्यकता महसूस की जा रही है। चाहे वह ऑर्थोपेडिक हो, न्यूरो सर्जरी हो, कार्डियक सर्जरी हो या मेडिसिन वाई हो, हर जगह मरीज की जल्दी रिकवरी के लिए फिजियोथेरेपी अनिवार्य हो गई है। डॉ. एसके. सिंघल ने कहा कि विश्व फिजियोथेरेपी दिवस हर साल 8 सितंबर को मनाया जाता है, लेकिन इसका संदेश पूरे साल अपनाने की जरूरत है। इस वर्ष की थीम हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम, प्रबंधन और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी और शारीरिक गतिविधि की भूमिका बेहद प्रासंगिक है।

प्रतियोगिता के विजेताओं का सम्मान डॉ. डिपल ने बताया कि इस कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसके विजेताओं को कुलपति डॉ. एच के अग्रवाल ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर फिजिकल एक्टिविटी की महत्वता पर एक पोस्टर का अधिकारियों ने अनावरण किया। डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. मन्नु राठी, डॉ. आर एस. चौहान, डॉ. मंजूनाथ, डॉ. उमेश यादव, डॉ. भावना, डॉ. डिपल, डॉ. गीतांजलि, डॉ. सुमन, डॉ. पूनम, डॉ. मेधा सहित कॉलेज के सभी फैकल्टी सदस्य, स्टाफ और बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

एक अवटूबर से लागू होगा नियम, कैमरे लगाने की रफ्तार पर सवाल पीयूसी नहीं तो डीजल-पेट्रोल भी नहीं, लेकिन कैसे होगी पहचान



■ बड़ा सवाल, कर्मचारी जांचेंगे या मशीन रोकेगी ईंधन ■ रोहतक के वाहन मालिकों पर पड़ेगा सीधा असर

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

एक अक्टूबर से रोहतक समेत हरियाणा के एनसीआर जिलों में बिना वैध प्रदूषण जांच प्रमाणपत्र (पीयूसी) वाले वाहनों को पेट्रोल-डीजल नहीं देने का नियम लागू होना है। सवाल अब नियम बनाने का नहीं, बल्कि इसे पेट्रोल पंपों पर लागू करने का है। क्या हर वाहन के पीयूसी की जांच होगी या इसके लिए लगाई जा रही तकनीक ही पूरी व्यवस्था संभालेगी? अगर कैमरे और ऑनलाइन व्यवस्था समय पर तैयार नहीं हुई तो यह आदेश भी कागजों तक सिमटने का खतरा पैदा कर सकता है। सरकार ने व्यवस्था को लागू करने के लिए पेट्रोल पंपों पर नंबर प्लेट पढ़ने वाले स्वचालित कैमरे लगाने का फैसला किया है। कैमरा वाहन की नंबर प्लेट पढ़कर उसके प्रदूषण प्रमाणपत्र की वैधता की जांच करेगा और व्यवस्था वाहन में ईंधन देने की अनुमति से जुड़ी होगी। यानी पेट्रोल पंप के कर्मचारी को हर वाहन का कागज हाथ में लेकर जांचने की जरूरत नहीं होगी।

ईंधन देने की वैकल्पिक व्यवस्था पर निर्देश नहीं

नियम की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि व्यवस्था कितनी स्वचालित और भरोसेमंद बनती है। सरकार की योजना में नंबर प्लेट पढ़ने वाला कैमरा वाहन की जानकारी लेकर उसके पीयूसी की स्थिति जाचेगा। अधिकारियों के अनुसार व्यवस्था चालू होने पर पेट्रोल पंप कर्मचारियों को अलग से हर वाहन का प्रमाणपत्र देखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। लेकिन कैमरा नंबर प्लेट सही नहीं पढ़ पाया, इंटरनेट या सर्वर में दिक्कत आई अथवा वाहन का पीयूसी रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध नहीं हुआ तो क्या होगा? ऐसे मामलों में ईंधन देने की वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी, इस पर भी साफ निर्देश जरूरी होंगे।

असली परीक्षा आदेश की नहीं, लागू करने की

रोहतक एनसीआर का हिस्सा है, इसलिए यहां चलने वाले निजी, व्यावसायिक और पुराने वाहनों पर इस व्यवस्था का सीधा असर पड़ेगा। वैध पीयूसी नहीं होने पर पेट्रोल-डीजल नहीं मिलेगा और सड़क पर जांच के दौरान चालान की कार्रवाई भी हो सकती है। ऐसे में वाहन मालिकों के लिए पीयूसी की वैधता जांचना पहले से ज्यादा जरूरी हो जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने 1 अक्टूबर से पूरे एनसीआर में वैध पीयूसी दिखाएँ पर ही ईंधन देने का प्रावधान मंजूर किया है। अब असली परीक्षा आदेश की नहीं, उसके जमीन पर लागू होने की है।

मनरेगा राशि में गड़बड़ी पर हाईकोर्ट सख्त, रोहतक डीसी से मांगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

मनरेगा की राशि में कथित गड़बड़ी के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने रोहतक प्रशासन से जवाब मांगा है। वर्ष 2023 में लोकपाल की रिपोर्ट में मनरेगा की राशि दूसरी मद में लगाए जाने की बात सामने आई थी। इसके बाद प्रारंभिक जांच में भी शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि हुई, लेकिन न प्राथमिकी दर्ज हुई और न जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। चौफे जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने रामचंद्र व एक अन्य की जर्नलित याचिका पर सुनवाई करते हुए रोहतक प्रशासन को कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। अदालत ने रोहतक के उपायुक्त को व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर यह बताने का आदेश दिया है कि रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच के बाद भी कार्रवाई

रिपोर्ट आई, जांच हुई कार्रवाई कहां हुई?

मामले में वर्ष 2023 में लोकपाल की रिपोर्ट सामने आई थी। रिपोर्ट में मनरेगा की राशि के कथित डायवर्सन को स्वीकार किया गया था। इसके बाद प्रारंभिक जांच भी हुई और उसमें शिकायत में लगाए गए तथ्यों की पुष्टि की गई। इसके बावजूद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ी। न प्राथमिकी हुई और न ही जिम्मेदारी तय कर संबंधित लोगों को खिलाफ कोई कार्रवाई की गई। यही स्थिति अब रोहतक प्रशासन के लिए सबसे बड़ा सवाल बन गई है। हाईकोर्ट ने साफ तौर पर जानना चाहा है कि लोकपाल की रिपोर्ट आने के बाद प्रशासन ने क्या कदम उठाए और प्रारंभिक जांच के बाद मामला आगे क्यों नहीं बढ़ा।

में देरी क्यों हुई। हाईकोर्ट ने इस मामले में प्रशासन से जवाब तलब किया है। मामले में अब डीसी को खुद हिसाब देना होगा।

कार्यक्रम हर छात्र कम से कम 100 लोगों को नेत्रदान-अंगदान के लिए प्रेरित करे : वीसी

नेत्रदान में योगदान देने वाली सामाजिक संस्थाएं व सोटो हरियाणा सम्मानित

■ आपका छोटा सा संकल्प किसी की दुनिया रोशन कर सकता है: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

नेत्रदान और अंगदान केवल किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद किया जाने वाला दान नहीं, बल्कि यह किसी जरूरतमंद के जीवन में नई रोशनी, नई उम्मीद और नया संसार देने का संकल्प है। समाज में नेत्रदान और अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अटल क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान द्वारा लैक्चर थियेटर 1 में आयोजित जागरूकता पखवाड़े के समापन अवसर पर कुलपति डॉ. एचके. अग्रवाल ने लोगों से इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति का लिया गया संकल्प कई लोगों की जिंदगी बदल सकता है, इसलिए हमें अंगदान और नेत्रदान को जन अभियान बनाना होगा। उन्होंने बताया



रोहतक। जनसेवा संस्थान के स्वामी प्रेमानंद महाराज को सम्मानित करते कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल, निदेशक डॉ. एसके सिंघल, अटल क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान के विभागाध्यक्ष डॉ. आरएस चौहान व कुलसचिव डॉ. रूपसिंह। फोटो: हरिभूमि

कि इस साल अभी तक नेत्र विभाग को 267 कॉर्निया मिल चुके हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति डॉ. अग्रवाल ने हवा में गुब्बारे छोड़कर जागरूकता का संदेश दिया। डॉ. एचके अग्रवाल ने कहा कि उन्हें खुशी है कि अटल क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान की ओर से जागरूकता पखवाड़े के समापन पर इतनी अच्छी पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उन्होंने

कहा कि हरियाणा में नेत्रदान, अंगदान और देहदान के क्षेत्र में लगातार जागरूकता बढ़ रही है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि नेत्रदान के लिए मृत्यु के बाद भी कुछ घंटों का महत्वपूर्ण समय उपलब्ध रहता है, जबकि शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंगों का दान केवल ब्रेन डेड की परिस्थितियों में ही संभव होता है। ऐसे में लोगों को सही जानकारी देकर उनकी भांतियों को दूर

एकजुट हुए पंचायती राज इंजीनियर, आश्वासन के बाद कल तक के लिए टली हड़ताल

हरिभूमि न्यूज ▶▶▶ रोहतक

हरियाणा पंचायती राज इंजीनियर्स एसोसिएशन (एचपीआरईए) की राज्य कार्यकारिणी ने पंचायती राज इंजीनियरिंग विंग के पुनर्गठन के विरोध में प्रस्तावित राज्यव्यापी सांकेतिक हड़ताल को फिलहाल 10 सितंबर तक स्थगित कर दिया है। सरकार के साथ हुई वार्ता में मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद एसोसिएशन ने यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया। 10 सितंबर को युक्तिकरण आयोग की बैठक में होने वाले निर्णय के बाद आंदोलन की अगली रणनीति तय की जाएगी। राज्य कार्यकारिणी की उच्चस्तरीय बैठक मंगलवार को जिला विकास भवन में राज्य प्रधान महेंद्र सिंह यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में राज्य वरिष्ठ महासचिव विनोद मलिक सहित राज्य कार्यकारिणी के सदस्यों, सभी जिलों के प्रधान

मौजूदगी में आंदोलन के अगले कदम पर मंथन किया गया।

बोहर गांव में बंदरों पर शिकंजा पकड़ने के लिए बिछाया जाल

रोहतक। बोहर गांव में लंबे समय से बंदरों के आतंक से परेशान ग्रामीणों को अब राहत की उम्मीद जगी है। बंदरों की बढ़ती संख्या और उत्पात को देखते हुए बंदर पकड़ने वाली एजेंसी ने अभियान शुरू कर दिया है। टीम ने गांव में विशेष जाल लगाया है, जिसके जरिए बंदरों को सुरक्षित पकड़कर बाहर ले जाया जाएगा।

ग्रामीणों के अनुसार बंदरों के झुंड गलियों और घरों की छतों पर घूमते रहते हैं। वे घरों में घुसकर सामान और खाद्य सामग्री को नुकसान पहुंचाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी होती है। ग्रामीणों का दावा है कि बंदरों के काटने की करीब 20 से 22 घटनाएं हो चुकी हैं। अभियान शुरू होने से ग्रामीणों ने राहत की उम्मीद जताई है और इसे लगातार चलाने की मांग की है।

